

India's exports to and imports from Afghanistan by air during the year 1955-56 were Rs. 33.12 lakhs and Rs. 29.61 lakhs respectively.

(b) With effect from 12th May, 1956, the Indian Airlines Corporation have increased the number of scheduled passenger cum cargo services to Kabul from Delhi to twice a week in each direction.

SMALL-SCALE INDUSTRIES IN PUNJAB AND PEPSU

2176. { Sardar Iqbal Singh:
Sardar Akarpuri:

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state:

(a) whether any data regarding the possibility of starting Small-Scale Industries at various places in Punjab and PEPSU have been collected by Government; and

(b) if so, the nature of the proposals finalised so far?

The Minister of Commerce and Industry and Iron and Steel (Shri T. T. Krishnamachari): (a) and (b). The Government of India have not yet collected any data.

A.I.R. STATION, JULLUNDUR

2177. { Sardar Iqbal Singh:
Sardar Akarpuri:

Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) the number of artistes who were invited to participate in the programmes of the Jullundur Station of A. I. R. during the last year; and

(b) the number of artistes from other States?

The Minister in the Ministry of Communications (Shri Raj Bahadur): The information is being collected and will be placed on the Table of the Lok Sabha in due course.

जूते

२१७८. श्री जांघड़े : क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५५ में देश के कुटीर उद्योगों तथा बड़े कारखानों में पृथक् पृथक् कितने जूते तैयार किये गये और उनकी कीमत क्या है ;

(ख) चमड़ा सम्बन्धी कुटीर उद्योगों तथा बड़े कारखानों में अलग-अलग किसने-कितने व्यक्ति कार्य करते हैं ;

(ग) कितने कारखाने सहकारी आधार पर चल रहे हैं ; और

(घ) कुटीर उद्योगों में लगे हुए व्यक्तियों को रंगा हुआ चमड़ा कम मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिये अथवा उन्हें कुटीर-उद्योग आधार पर चमड़ा रंगने का प्रशिक्षण देने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वाणिज्य और उद्योग तथा लोहा और इस्पात मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णामाचारी): (क) अनुमान है कि १९५५ में देश में ६०० से ६५० लाख जोड़े जूते तैयार किये गये। बड़े कारखानों में ५५ लाख जोड़े तैयार हुए। शेष छोटे कारखानों अथवा कुटीर उद्योगों द्वारा तैयार किये गये। उत्पादन के मूल्य सम्बन्धी जानकारी उपलब्ध नहीं है।

(ख) लगभग ६४०० व्यक्ति चमड़े का सामान, जिसमें जूते भी शामिल हैं, बनाने वाले बड़े कारखानों में काम करते हैं। छोटे कारखानों और कुटीर उद्योगों में काम करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या उपलब्ध नहीं है।

(ग) तथा (घ). यह जानकारी इकट्ठी की जा रही है और संदन की मेज पर उपस्थित कर दी जायेगी।

REBATES ON HANDLOOM PRODUCTS

2179. { Thakur Jugal Kishore Sinha:
Shri Asthana:

Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state: